श्री रंगनाथाष्टकं 2

श्री रंगनाथाष्टकं 2

पद्मादिराजे गरुडादिराजे विरिंचिराजे सुरराजराजे |
त्रैलोक्यराजेऽखिलराजराजे श्रीरंगराजे नमता नमामि || 1 ||

श्रीचित्तशायी भुजंगेंद्रशायी नादार्कशायी फणिभोगशायी |
अंभोधिशायी वटपत्रशायी श्रीरंगराजे नमता नमामि || 2 ||

लक्ष्मीनिवासे जगतांनिवासे हृत्पद्मवासे रविबिंबवासे |
शेषाद्रिवासेऽखिललोकवासे श्रीरंगवासे नमता नमामि || 3 ||

नीलांबुवर्णे भुजपूर्णकर्णे कर्णांतनेत्रे कमलाकळत्रे |
श्रीवल्लिरंगेजितमल्लरंगे श्रीरंगरंगे नमता नमामि || 4 ||

ब्रह्मादिवंद्ये जगदेकवंद्ये रंगे मुकुंदे मुदितारविंदे |
गोविंददेवाखिल देवदेवे श्रीरंगदेवे नमता नमामि || 5 ||

अनंतरूपे निजबोधरूपे भक्तिस्वरूपे श्रुतिमूर्तिरूपे |
श्रीकांतिरूपे रमणीयरूपे श्रीरंगरूपे नमता नमामि || 6 ||

कर्मप्रमादे नरकप्रमादे भक्तिप्रमादे जगताधिगाधे |
अनाथनाथे जगदेकनाथे श्रीरंगनाथे नमता नमामि || 7 ||

अमोघनिद्रे जगदेकनिद्रे विदेह्यनिद्रे विषयासमुद्रे |
श्रीयोगनिद्रे सुखयोगनिद्रे श्रीरंगनिद्रे नमता नामामि || 8 ||

रंगाष्टकमिदं पुण्यं प्रातःकाले पठेन्नरः |
कोटिजन्मकृतं पापं तत् क्षणेन विनश्यति || 9 ||

इति श्रीरंगनाथाष्टकं |